समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

‘अपने घमंड को ड्रेसिंग रूम से दूर रखो’: सुनील गावस्कर ने गौतम गंभीर को दी टेस्ट क्रिकेट की अहम सीख

Publisher

Published on 19 Nov 2025

भारतीय क्रिकेट टीम के कोलकाता टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद **टीम इंडिया** का हरफनमौला प्रदर्शन चर्चा में है। खासतौर पर **हेड कोच गौतम गंभीर** को पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट विशेषज्ञों की तरफ से कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। अब इस सूची में पूर्व क्रिकेटर और दिग्गज बल्लेबाज **सुनील गावस्कर** का नाम भी जुड़ गया है।

गावस्कर ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीम के अंदर घमंड और गलत रणनीति टेस्ट क्रिकेट जैसी लंबी पारी के लिए हानिकारक साबित हो रही है। उन्होंने हेड कोच गौतम गंभीर और टीम चयनकर्ताओं को विशेष सलाह देते हुए कहा कि उन्हें **अपने घमंड और व्यक्तिगत अहम को ड्रेसिंग रूम से दूर रखना चाहिए**। यह सिर्फ टीम की एकजुटता और प्लेयर्स के मनोबल के लिए जरूरी नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की सफलता के लिए भी महत्वपूर्ण है।

गावस्कर की चेतावनी और सलाह

सुनील गावस्कर ने कहा कि वर्तमान कोलकाता टेस्ट की हार को देखकर यह साफ है कि टीम में कई सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हेड कोच और चयनकर्ताओं को **सिर्फ ओवरसीज़ या लिमिटेड ओवर्स स्टाइल के ऑलराउंडर्स पर भरोसा नहीं करना चाहिए**, बल्कि घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए।

गावस्कर ने कहा, “टेस्ट क्रिकेट की प्रकृति अलग है। यह केवल रन बनाने और विकेट लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक दबाव, रणनीति और टीम के संतुलन की परीक्षा भी है। अगर आप घमंड और व्यक्तिगत महत्व को ड्रेसिंग रूम में लाएंगे, तो खिलाड़ी डरकर खेलेंगे और उनका मनोबल गिर जाएगा।”

उन्होंने गौतम गंभीर को सलाह दी कि टीम में चयन और रणनीति में **वास्तविक प्रदर्शन और क्षमता को प्राथमिकता दी जाए**, न कि किसी खिलाड़ी की लोकप्रियता या लिमिटेड ओवर्स के अनुभव के आधार पर।

पूर्व खिलाड़ियों की टिप्पणियां

इससे पहले, पूर्व क्रिकेटर **मोहम्मद कैफ** ने भी गंभीर के रवैये पर सवाल उठाए थे। कैफ का कहना था कि कोलकाता टेस्ट में कई खिलाड़ी हेड कोच के रवैये के कारण दबाव में थे और अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखा पाए। गावस्कर की चेतावनी इस दिशा में और मजबूत इशारा है कि टीम को लंबी अवधि के फॉर्मेट के हिसाब से ढालने की जरूरत है।

गावस्कर ने विशेष रूप से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में जीत हासिल करने के लिए चयनकर्ताओं को **ऑलराउंडरों की तुलना मे घंरेलू परफॉर्मर को मौका देना चाहिए**, जो लंबे मैच में मानसिक और शारीरिक दबाव सहने में सक्षम हों। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैचों में स्थिरता ला सकते हैं।

कोलकाता टेस्ट और टीम की स्थिति

कोलकाता टेस्ट में टीम इंडिया की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कप्तान और हेड कोच की रणनीतियां, खिलाड़ियों का मानसिक संतुलन और टेस्ट क्रिकेट के लिए टीम की तैयारी इन सभी पर सवाल उठे हैं। गावस्कर का मानना है कि केवल रणनीति बदलना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि टीम की **मानसिक तैयारी, एकजुटता और नेतृत्व शैली** को भी सुधारने की जरूरत है।

गावस्कर की सलाह को टीम और चयन समिति द्वारा गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनका यह संदेश स्पष्ट है कि **घमंड और अहंकार टेस्ट टीम मे जंगह नहीं पा सकते**, और खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर मापा जाना चाहिए।

सुनील गावस्कर की चेतावनी और सलाह एक मजबूत संकेत है कि भारतीय क्रिकेट टीम को लंबी पारी और कठिन टेस्ट मैचों के लिए **मानसिक और रणनीतिक रूप से तैयार होना होगा**। गौतम गंभीर और चयनकर्ताओं को यह समझना होगा कि टेस्ट क्रिकेट में स्थिरता और टीम का मनोबल जीत की कुंजी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.